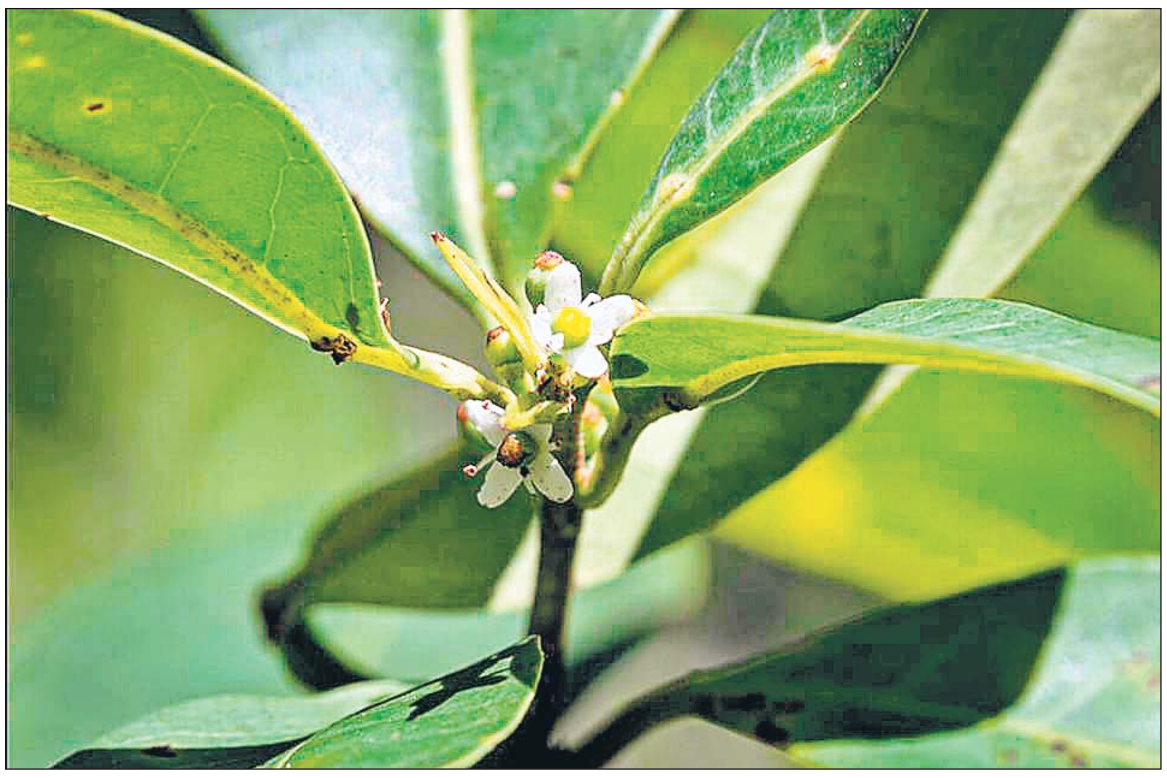

ब्रज़ील मूल की, हॉली ट्री की एक ऐसी छोटी प्रजाति का फिर से पता चला है, जिसे दो सौ साल पहले विलुप्त मान लिया गया था। एक अद्भुत विश्वव्यापी कन्ज़र्वेशन प्रोजैक्ट ''रिटर्न टु लाइट,'' उन प्रजातियों की पहचान करता है जो सैकड़ों वर्षों से नज़र नहीं आई हैं। अभी तक, खोई हुई 25 ''मोस्ट वॉन्टेड'' प्रजातियों में से 9 प्रजातियों की खोज हो चुकी है। ब्राज़ील के इगारास्सू शहर में पेहनमबूको हॉली (सदाबहार वृक्ष शूलपर्णी) के चार पेड़ चिन्हित किए गए। इस पेड़ को, जो 8 से 12 मीटर ऊँचा हो सकता है, उसके छोटे-छोटे सफेद फूलों से पहचाना गया। इसके लिए वनस्पिति विशेषज्ञों की टीम ने कई घंटों तक म्यूज़ियम में मौजूद पेड़ के नमूनों का अध्ययन किया। वैज्ञानिकों ने म्यूज़ियम के उन हरबेरिया कलैक्शन्स को भी देखा जिन्हें डिजिटाइज़ नहीं किया गया था। प्रौजैक्ट की टीम सदस्य जूलिआना अलिंकर ने एक वक्तव्य में कहा, ''प्रकृति हमें चकित करती है। ऐसी प्रजाति, जिसके बारे में लगभग दो सदियों तक कुछ सुना ना हो, का मिलना रोज़ की बात नहीं है। वाकई वो अद्भुत क्षण था।'' टीम के एक अन्य सदस्य, प्रौफेसर मिल्टन ग्रॉपो ने कहा, ''जब हमने पेहनमबूको हॉली का पेड़ देखा तो हम बहुत उत्साहित हो गए। कच्छी सड़क के किनारे एक पेड़ पर कुछ सफेद फूल नज़र आए। ऐसा लगा मानो कोई खोया हुआ ऐसा प्रियजन मिल गया जिसे आपने अभी तक पुरानी पोर्ट्रेट में ही देखा था।'' खोज अभियान का नेतृत्व कर रहे थे गुस्तावो मार्टिनैली, जो नाविया बायोडायवर्सिटी में इकॉलजिस्ट हैं। अनुसंधान को स्पॉन्सर किया था ''रीः वाइल्ड'' संगठन ने। अभी तक यह संगठन विश्वभर में आठ ऐसी प्रजातियों की पुनः खोज को फाइनैंस कर चुका है, जिन्हें विलुप्त मान लिया गया था।

जोधपुर में मु.मंत्री के खासमखास पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच ने पार्टी से बगावत की

रामेश्वर दाधीच ने सूरसागर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया

जोधपुर, 5 नवम्बर (कासं)। मुख्यमंत्री के खासमखास जोधपुर नगर निगम के पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच ने पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का शंखनाद कर दिया है। शनिवार को कांग्रेस की सूची जारी होने के बाद जोधपुर की सूरसागर सीट से पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच ने आज पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

उन्होंने रविवार को मीडिया से रुबरू होते हुए अपने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इस दौरान उन्होंने भारी गले से कहा कि, अशोक गहलोत से किसी भी प्रकार की नाराजगी नहीं है। लेकिन राजनीति में उन्होंने सूरसागर से कार्यकर्ताओं को अनसुना करके गलत किया है।

दरअसल, रविवार को जारी की गई कांग्रेस की सूची में सूरसागर सीट से पूर्व प्रत्याशी प्रोफेसर अयूब खान के बेटे शहजाद खान को टिकट दिया है। इस बार इस सीट से कांग्रेस के 60 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने दावेदारी पेश की थी। कार्यकर्ताओं ने मांग की थी कि, इस सीट से मेहनती कार्यकर्ता को टिकट दिया जाए, जो इस सीट को जीताकर लेकर आए।

■ रविवार को जारी की गई कांग्रेस की सूची में सूरसागर सीट से पूर्व प्रत्याशी प्रोफेसर अयूब खान के बेटे शहजाद खान को टिकट मिला है।

दाधीच ने बताया कि, कांग्रेस की ओर से इस सीट पर दावेदारों के नाम के पैनल भेजे थे। उसमें कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल थे। पार्टी ने उन सभी मेहनती और पुराने कार्यकर्ताओं को नजर अंदाज कर दिया और बिना अनुभव वाले को टिकट दे दिया।

दाधीच ने कहा कि, वह पार्टी के इस फैसले से नाराज होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे है। वहीं किसी अन्य पार्टी का भी सहयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि, अभी कांग्रेस के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उनके साथ कितने है यह पता नहीं। लेकिन उन्हें उनके कार्यकर्ता और जनता ने विश्वास दिलवाया है। जिस पर वह चुनाव लड़ रहे है। गौरतलब है कि, टिकट के दावेदारों में सबसे पहला नाम रामेश्वर दाधीच का ही था। क्षेत्र के लोगों में भी यही चर्चा थी कि, इस बार सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से रामेश्वर दाधीच को ही टिकट मिलेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा है कि, बीजेपी की इस परंपरागत सीट पर इस बार कांग्रेस जीत हासिल करे, मगर वे तुष्टिकरण के आगे नतमस्तक हो गए। पिछली बार भी कांग्रेस ने अल्पसंख्यक का कार्ड खेला था, लेकिन उससे सफलता नहीं मिली।

सूरसागर विधानसभा सीट की बात करें तो ये सीट 2008 के सीमांकन के बाद से बीजेपी के पास रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार सूर्यकांता व्यास ने कांग्रेस के अयूब खान को हराकर जीत हासिल की थी। कांग्रेस हार का मुंह देखने के बाद भी अपनी नीति नहीं बदल पाई। हालांकि यह देखना भी जरूरी है कि, रामेश्वर दाधीच किस पार्टी के वोट बैंक में सेंध लगाएंगे। क्योंकि भाजपा के प्रत्याशी देवेन्द्र जोशी ब्राह्मण हैं और रामेश्वर दाधीच भी ब्राह्मण समाज से है। इस हिसाब से तो रामेश्वर दाधीच भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाकर कांग्रेस प्रत्याशी की राह आसान करने वाले हैं।

गौरतलब है कि, कांग्रेस ने शनिवार देर रात छठी सूची जारी कर जोधपुर की चार विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए। लोहावट से किशनाराम, शेरगढ़ से मीना कंवर को रिपीट किया है। वहीं सूरसागर सीट से इस बार कांग्रेस ने 28 साल के शहजाद खान को मैदान में उतारा है। फलोदी में ब्राह्मण चेहरे के रूप में प्रकाश छंगानी को मौका दिया है। इन चार सीटों पर चेहरे को लेकर काफी समय से चर्चाएं चल रही थीं। जिसमें सूरसागर सीट पर चेहरे को लेकर काफी संशय था। इस सीट पर कांग्रेस ने फिर से मुस्लिम चेहरे को रिपीट कर सभी को चौंका दिया।

केदारनाथ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर चुके हैं। वह कैलाश मानसरोवर जाकर भी भगवान शिव के दर्शन कर चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने उज्जैन में महाकाल के दर्शन के साथ ही कई मंदिरों में दर्शन किए। केदार यात्रा को भी भारत जोड़ो यात्रा की आध्यात्मिक यात्रा माना जा रहा है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार गांधी मंगलवार को बाबा केदार के दर्शन के बाद वापस लौटेंगे।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ संसद की एथिक्स कमेटी की जांच पूरी हुई

एथिक्स कमेटी आगामी 7 नवम्बर को इस मामले में बैठक करेगी जिसमें कमेटी महुआ के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा के विरुद्ध भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोपों से जुड़ी जांच की मसौदा रिपोर्ट पर विचार करने के लिए 7 नवंबर को बैठक करेगी। समिति की ओर से मसौदा रिपोर्ट को स्वीकार करने के लिए बैठक आयोजित करने का मतलब है कि भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अब वह अपनी सिफारिश करेगी। इसके पहले समिति के सदस्य 2 नवंबर को पिछली बैठक के दौरान अपनी-अपनी पार्टी के रुख के तहत बंटे दिखे थे। आचार समिति में 15 सदस्य हैं जिनमें बहुमत भाजपा का है।

■ एथिक्स कमेटी में 15 सदस्य हैं जिनमें बहुमत भाजपा का है। माना जा रहा है कि, समिति मोइत्रा के आचरण पर गंभीर रुख अपना सकती है, खासकर तब जब उन्होंने पिछली बैठक में सोनकर पर उनसे तुच्छ और व्यक्तिगत सवाल पूछने का आरोप लगाते हुए विपक्षी सदस्यों के साथ बैठक से वॉकआउट किया था।

समिति मोइत्रा के आचरण पर गंभीर रुख अपना सकती है, खासकर तब जब उन्होंने पिछली बैठक में सोनकर पर उनसे तुच्छ और व्यक्तिगत सवाल पूछने का आरोप लगाते हुए विपक्षी सदस्यों के साथ बैठक से बहिर्गमन किया था।

ऐसे संकेत है कि समिति लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में मोइत्रा के खिलाफ सिफारिश कर सकती है। ऐसी भी संभावना है कि विपक्षी सदस्य असहमति व्यक्त कर सकते हैं। समिति में शामिल 5 विपक्षी सदस्य दो नवंबर की बैठक से यह आरोप लगाते हुए बाहर निकल गए थे कि सोनकर ने मोइत्रा से उनकी यात्रा, होटल में ठहरने और टेलीफोन कॉल को लेकर निजी और अभद्र सवाल किए हैं। मोइत्रा ने बाद में आरोप लगाया कि बैठक में शब्दों से वस्त्रहरण किया गया।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुक्रवार और शनिवार को सभी प्राथमिक स्कूलों को बंद कर दिया था। उल्लेखनीय है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की सफर-इंडिया वायु गुणवत्ता के अनुसार दिल्ली में औसत एक्यूआई आज 346 है जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। प्रदूषण स्तर में कल और बढ़ोत्तरी होकर औसत एक्यूआई 352 रहने की आशंका है। इसके अलावा निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर पहले ही रोक लगा दी गई है। साथ ही बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

दिल्ली शराब घोटाले में मु.मंत्री के.सी.आर. की पुत्री भी शामिल

हैदराबाद, 5 नवंबर (वार्ता)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान पार्षद (एमएलसी) और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता का नाम दिल्ली शराब घोटाला मामले में है और उन्हें इस पर सफाई देनी होगी।

अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, अगर आप दिल्ली शराब घोटाला मामले को देखें तो एक के बाद एक को जांच के लिए बुलाया गया है। इसमें शामिल लोगों को नोटिस जारी कर दिया गया है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया जेल में है। उन्होंने कहा, उन्हें जमानत नहीं मिली। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस जारी किया, जो शराब घोटाले के सरगना हैं। वहीं, कई अन्य लोग भी इस घोटाले में हैं, जो दिल्ली के नहीं बल्कि तेलंगाना राज्य के रहने वाले हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर का पूरा परिवार राज्य में भ्रष्टाचार में शामिल है।

'मेरे कितने जोड़ी जूते हैं ये गिनने की बजाय अडानी के 13 हजार करोड़ के स्कैम पर एक्शन ले सरकार'

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कैश-फॉर-क्वेरी आरोपों को लेकर रविवार को भाजपा पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कैश-फॉर-क्वेरी आरोपों को लेकर रविवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने इस मामले को लेकर गठित लोकसभा आचार समिति पर उनसे अपमानजनक सवाल पूछने के भी आरोप लगाए। मोइत्रा ने दावा किया कि उनके पास चेयरमैन के घटिया और अप्रासंगिक सवालों का रिकॉर्ड है। टीएमसी एमपी ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, फर्जी कहानी बनाकर महिला सांसदों को बाहर निकालने से पहले बीजेपी याद रखे कि मेरे पास एथिक्स कमेटी का रिकॉर्ड है। चेयरमैन के घटिया और अप्रसांसगिक सवाल, विपक्ष का विरोध, मेरा विरोध... ये सब आधिकारिक तौर पर ब्लैक एंड व्हाइट हैं। बेशर्म और बेहुदा।

■ महुआ मोइत्रा ने रविवार को कहा कि, उन्हें पता चला है कि भाजपा उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने की योजना बना रही है। उन्होंने अडानी के मुद्दे को लेकर बीजेपी पर कटाक्ष भी किया। मोइत्रा ने पोस्ट में लिखा, यह जानकर मेरी रूह कांप रही है कि भाजपा मेरे खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज कराने की प्लानिंग कर रही है।

महुआ मोइत्रा ने रविवार को कहा कि उन्हें पता चला है कि भाजपा उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने की योजना बना रही है। उन्होंने अडानी मुद्दे को लेकर बीजेपी पर कटाक्ष भी किया। मोइत्रा ने पोस्ट में लिखा, यह जानकर मेरी रूह कांप रही है कि भारतीय जनता पार्टी मेरे खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज कराने की प्लानिंग कर रही है। उनका स्वागत है-मैं सिर्फ इतना जानती हूं कि 13,000 करोड़ रुपये के कोयला घोटाले में सीबीआई और ईडी को अडानी के खिलाफ केस दर्ज करनी चाहिए। इससे पहले कि वे सवाल करें कि मेरे पास कितने जोड़े जूते हैं।

हैदराबाद में दो रैलियां करेंगे प्र.मंत्री मोदी

हैदराबाद, 5 नवंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 11 नवंबर को चुनावी राज्य तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में दो सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करने वाले हैं। भाजपा के राज्यसभा सदस्य और ओबीसी मोर्चा के अखिल भारतीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण ने यह जानकारी दी।

पहली सभा बीसी आत्म गौरव सभा, एलबी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी, जबकि दूसरी 11 नवंबर को परेड ग्राउंड में एक सार्वजनिक सभा

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 11 नवंबर को चुनावी राज्य तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में दो सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करने वाले हैं।

होगी, जो मैडिगा समुदाय द्वारा उठाए गए वर्गीकरण मुद्दे पर केंद्रित होगी। बीसी आत्म गौरव सभा का उद्देश्य गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की पुष्टि करना है कि तेलंगाना में भाजपा के सत्ता में आने के बाद एक बीसी को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।लक्ष्मण ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि यदि अवसर मिला तो भाजपा तेलंगाना के लिए बीसी मुख्यमंत्री नियुक्त कर सकती है, एक ऐसी उपलब्धि जिसकी अन्य पार्टियों ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

कश्मीर में आतंकियों का सहयोग करने वाले 55 सरकारी कर्मी सेवा से बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ये आंकड़े शेयर किए हैं

श्रीनगर, 5 नवम्बर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के मामले में 55 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ये आंकड़े शेयर किए हैं। 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किया गया था। इसके बाद से अब तक सरकार ने इतने कर्मचारियों की सर्विस समाप्त की है। दरअसल, 2021 में ऐसे कर्मचारियों की पहचान के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया था। एलजी ने साफ-साफ कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों की मदद करने वालों को सरकार पैसे नहीं दे सकती।

मनोज सिन्हा शनिवार देर रात राष्ट्रीय दिल्ली में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले करीब 55 सरकारी कर्मचारियों और श्रमिकों को बर्खास्त किया गया है। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहने वाली है जब तक कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती। इन लोगों ने आतंकवाद को बढ़ावा देने में मदद की है। उपराज्यपाल ने कहा कि कोई भी सरकार ऐसे लोगों को पैसा देने का जोखिम नहीं उठाने वाली है। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि इस तरह का एक्शन आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

मालूम हो कि 2019 में जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्ज को रद्द कर दिया गया और इसे 2 केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने का फैसला हुआ। मौजूदा प्रशासन संविधान के अनुच्छेद 311(2) (सी) के तहत सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर रहा है। इसके तहत सरकार को कर्मचारियों को बिना जांच के ही बर्खास्त करने का अधिकार मिला हुआ है। अगर राष्ट्रपति या राज्यपाल संतुष्ट हों कि राज्य की सुरक्षा के हित में यह जरूरी है। ऐसे मामलों की पहचान करने के लिए 21 अप्रैल, 2021 में विशेष कार्य बल का गठन किया था। इसका मकसद देश की सुरक्षा के लिए खतरा या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से जुड़े मामले में शामिल कर्मचारियों को उजागर करना है। अब तक कई हाई प्रोफाइल या अहम सरकारी पदों पर बैठे लोगों को बर्खास्त किया जा चुका है। इसी साल अगस्त में अधिकारियों ने जेएंडके बैंक के मुख्य प्रबंधक की सर्विस को बर्खास्त कर दिया था। मैनेजर पर टेरर इकोसिस्टम के साथ संबंध रखने का आरोप लगा था। वहीं, जुलाई में जम्मू-कश्मीर सरकार ने राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल कश्मीर यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी सहित तीन सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी। आर्टिकल 311 के तहत सरकार की ओर से अब तक जिन अन्य लोगों को बर्खास्त किया गया है उनमें रसायन विज्ञान का प्रोफेसर, हिजबुल मुजाहिदीन के चीफ सैयद सलाहुद्दीन का बेटा और जम्मू-कश्मीर जेल विभाग में उपाधीक्षक शामिल हैं।

सोनिया गाँधी, राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(गहलोत) चुनाव का प्रबंध नहीं कर पायेंगे।

गहलोत ने धारीवाल के टिकट को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ था तथा अब यह देखना रोचक होगा कि, गाँधी परिवार और अशोक गहलोत के बीच की लड़ाई में गाँधी परिवार की क्या प्रतिक्रिया होगी, जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से उनका अपमान किया है। धारीवाल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं, जिसमें वो 25 सितम्बर के बगावत प्रकरण के बाद यह कहते दिख रहे हैं कि, हाई कमान क्या होता है, राजस्थान में तो एक ही हाई कमान है, अशोक गहलोत।

कांग्रेस द्वारा आज घोषित उम्मीदवारों में कई नाम चर्चित रहे हैं। एन.एस.यू.आई. के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी, जो फलौदी से टिकट मांग रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें झोटवाड़ा से उम्मीदवार बनाया है।

भारी विरोध के बावजूद मंत्री जाहिदा खान कामां से कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी। वेद प्रकाश सोलंकी भी चाकसू से टिकट प्राप्त करने में सफल हो गए हैं। पूर्व मंत्री हरेंद्र मिर्धा अब पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा के सामने नागौर से कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। वहीं लंबी मशक्कत के बाद में अजमेर उत्तर से एक बार फिर महेंद्र सिंह रलावता को कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बनाया है। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम एक बार फिर कोटा दक्षिण से कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी। वहीं टोडाभीम से वर्तमान विधायक पी.आर. मीणा का टिकट काटकर पूर्व विधायक घनश्याम मैहर को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस में आज ही शामिल हुए प्रशांत सिंह परमार को कांग्रेस ने बाड़ी विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं कांग्रेस में रविवार को ही शामिल होने वाले सोनाराम को पार्टी ने गुढ़ामालानी से अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

महिला सैन्यकर्मियों को भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी महिला सैन्यकर्मियों को समान रूप से मातृत्व, शिशु देखभाल (मैटरनिटी-चाइल्ड केयर लीव) अवकाश देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी महिला सैन्यकर्मियों को समान रूप से मातृत्व, शिशु देखभाल (मैटरनिटी-चाइल्ड केयर लीव) अवकाश देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह निर्णय सशस्त्र बलों में हर रैंक की महिलाओं की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने के सिंह के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उसने कहा कि इस कदम से सेना में महिलाओं को अपने पेशेवर एवं पारिवारिक जीवन को बेहतर तरीके से संतुलित करने में मदद मिलेगी तथा इससे कामकाजी स्थिति में सुधार होगा।

मंत्रालय ने कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु सैनिकों के लिए उनकी समकक्ष अधिकारियों के बराबर मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक ग्रहण अवकाश देने संबंधी नियमों को लागू करने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने कहा, इन नियमों के जारी हो जाने से सेना में सभी महिलाओं को समान रूप से ये छुट्टियां मिलेंगी, भले ही वे कोई अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक पर कार्यरत हों। अधिकारियों ने बताया कि इस समय महिला अधिकारियों को हर बच्चे के लिए 180 दिन का मातृत्व अवकाश मिलता है। यह नियम अधिकतम दो बच्चों पर लागू होता है। उन्होंने बताया कि महिला अधिकारियों को संपूर्ण सेवा कार्यालय में 360 दिन का शिशु देखभाल अवकाश मिलता है।

■ मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अवकाश संबंधी नियमों के विस्तार से सशस्त्र बलों में महिला-विशिष्ट पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं से निपटने में काफी मदद मिलेगी। उसने कहा, इस कदम से सेना में महिलाओं के लिए कामकाजी स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर एवं पारिवारिक जीवन में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही तीनों सेनाओं ने नारी शक्ति का उपयोग करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप सैनिकों, नाविकों और वायु सैनिकों के रूप में महिलाओं को शामिल करके एक बड़े बदलाव की शुरुआत की है।

इसके लिए बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि एक वर्ष से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने की वैध तिथि के बाद 180 दिनों की दत्तक ग्रहण छुट्टी दी जाती है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अवकाश संबंधी नियमों के विस्तार से सशस्त्र बलों में महिला-विशिष्ट पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं से निपटने में काफी मदद मिलेगी। उसने कहा, इस कदम से सेना में महिलाओं के लिए कामकाजी स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर एवं पारिवारिक जीवन में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि तीनों सेनाओं ने नारी शक्ति का उपयोग करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप सैनिकों, नाविकों और वायु सैनिकों के रूप में महिलाओं को शामिल करके एक बड़े बदलाव की शुरुआत की है।

उसने कहा, महिला अग्निवीरों की भर्ती किए जाने से सशस्त्र बल देश की भूमि, समुद्र और हवाई सीमाओं की रक्षा के लिए महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं की बहादुरी, समर्पण और देशभक्ति से सशक्त होंगे। मंत्रालय ने कहा, दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में तैनाती से लेकर युद्धपोतों पर तैनात होने के साथ-साथ आसमान में श्रेष्ठता दिखाने तक भारतीय महिलाएं अब सशस्त्र बलों में लगभग हर क्षेत्र में बाधाओं को पार कर रही हैं। उसने कहा, भारतीय सेना में सैन्य पुलिस कोर में सैनिकों के रूप में 2019 में महिलाओं की भर्ती करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई। उसने कहा कि सिंह का हमेशा से मानना रहा है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में अपने पुरुष समकक्षों के बराबर होना चाहिए।

अखिलेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल इन दोनों दलों के बीच राज्य में सीटों के बंटवारे को लेकर आपस में घमासान हुआ और राज्य में दोनों का गठबंधन नहीं हो सका। यादव कई बार इस मामले को लेकर सार्वजनिक मंचों से कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को लेकर बयान भी दे चुके हैं।

शरणार्थी कैम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पड़ोसियों के घर को निशाना बनाया, मेरे बगल का घर आंशिक रूप से ढह गया। उन्होंने अलालौल ने खुलासा किया कि हमले में उनके 13 वर्षीय पुत्र, अहमद और उनके चार वर्षीय पौत्र कैस उनके भाई के साथ मारे गये तथा उनकी पत्नी, मां और दो अन्य बच्चे घायल हो गये।

इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि बमबारी के समय इज़रायली रक्षा बल (आईडीएफ) क्षेत्र में तैनात थे या नहीं। इजरायली चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने शनिवार को गाजा शहर की घेराबंदी पूरी करने के बाद गाजा के अंदर सैनिकों का दौरा किया। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि इजरायली सेना गाजा में लड़ रही है। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण और उत्तर (गाजा शहर के) से काम कर रहे थे और आबादी वाले इलाकों में प्रवेश कर गये हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908